NEWS CLIPPING: 23.07.2019

DAINIK JAGRAN

क्रिकेटर चेतन शर्मा ने साझा किए जीवन के अनुभव

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाइएमसीए द्वारा नए अंडर ग्रेजुएट छात्रों संग आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को मानसिक रूप से मजबूत बनने और खेलों को अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ.नरेश चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ.सोनिया बंसल की देखरेख में किया जा रहा है। मनोचिकित्सक नौमिता ऋषि ने तनावमुक्त जीवन जीने के उपयोगी टिप्स दिए। दोपहर बाद के सत्र में डॉ. सोनिया बंसल ने केंद्र सरकार के जल शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी। डॉ.नील कंवर ने संचार कौशल तथा डॉ.नीलम दूहन ने पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की।

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए द्वारा आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा को विश्वविद्यालय की डायरी भेंट करते कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ● फोटो, सौजन्यः विश्वविद्यालय।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

NAVBHARAT TIME

'आखिरी गेंद पर छक्के ने बदल दी मेरी जिंदगी'

क्रिकेटर चेतन शर्मा ने छात्रों से साझा किए अनुभव

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में इंडक्शन प्रोग्राम के छठे दिन पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों को मानसिक रूप से मजबूत रहने व खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थी कल्याण प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन स्टूडेंट् वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान ने की।

चेतन शर्मा ने कहा कि 1986 में शारजहां में आयोजित एशिया कप के फाइनल मैच पाकिस्तान के खिलाफ था और उनकी आखिरी गेंद पर छक्का पड़ने से भारत को हार मिली थी, इस पल से बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया। वह मानसिक रूप से काफी कमजोर हो गए थे। उस समय कोच डीपी आजाद व कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें हौसला दिया। उसके कुछ समय बाद ही इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने शानदार गेंदबाजी कर 21 विकेट लिए। 1987 के विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक ली। कार्यक्रम के दौरान मनोचिकित्सक नौमिता ऋषि ने छात्रों को तनावमुक्त जीवन जीने के उपयोगी टिप्स दिए। दोपहर बाद के सत्र में डॉ. सोनिया बंसल ने छात्रों को भारत सरकार के जल शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी। डॉ नील कंवर, डॉ नीमल दूहन ने भी संबोधित किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

HINDUSTAN

वाईएमसीए में युवाओं से रूबरू हुए पूर्व क्रिकेटर, छात्रों संग संवाद में रखी खेलों पर बात, साझा किए करियर के सुखद पल

हरियाणा की खेल नीति प्रोत्साहन देने वाली: चेतन शर्मा

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

हरियाणा की खेल नीति खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतर है। अगर युवा पढ़ाई के साथ खेलों पर भी ध्यान दें तो बेहतरीन करियर बनाकर खुद को साबित करने के बेशुमार मौके हैं।

ये बातें जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्रों संग बातचीत के दौरान पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने कहीं। दरअसल, संस्थान में इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान छात्रों के लिए विशेष बातचीत सत्र आयोजित किया था। इस दौरान वर्ष 1987 विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक लेकर देश को गौरवान्वित करने वाले चेतन शर्मा ने छात्रों से बात की।

खेलों में करियर की बेहतर संभावनाएं : उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति के तहत ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए छह करोड़ रुपये, रजत पदक के लिए चार करोड़ रुपये तथा ढाई करोड़ रुपये दिये जा रहे हैं। ये पूरे देश में सर्वाधिक है। इससे ना सिर्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि वे आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए आज क्रिकेट में करियर की बेहतरीन संभावनाएं हैं।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी में सोमवार को इंडक्शन कार्यक्रम के छठे दिन अपनी बनाई गई पेंटिंग के साथ प्रतियोगिता में शामिल छात्र-छात्राएं । • हिन्दुस्तान

छात्रों को तनावमुक्त रहने का संदेश दिया

कार्यक्रम के दौरान मनोचिकित्सक नौमिता ऋषि ने छात्रों को तनावमुक्त रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी किसी भी हार सामना मजबूती से करने के बजाय तनाव में आ जाती है। ऐसा नहीं होना चाहिए। डॉ. सोनिया बंसल ने सरकार की ओर से चलाए जा रहे जल शक्ति अभियान के बारे में जागरूक किया।

हार से सीख ली

चेतन शर्मा ने बताया कि शारजाह में वर्ष 1986 में आस्ट्रेलिया-एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी पर आखिरी गेंद में छक्का पड़ने से भारत को मिली हार से आत्म विश्वास डगमगा गया था। तब कोच डीपी आजाद और कप्तान सुनील गावस्कर ने हौसला दिया। फिर कड़ी मेहनत की और 1986 में टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड दौरे पर शानदार गेंदबाजी कर 21 विकेट हासिल की। न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्वकप में हैट्रिक ली। इसलिए खुद की हार से हारने की बजाय सीखना का फलसफा बेहतर है।

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

PUNJAB KESARI

मानसिक रूप से मजबूत होना ज्यादा जरूरी: चेतन शर्मा

पूर्व क्रिकेटर ने छात्रों के साथ सांझा किए अनुभव

फरीदाबाद, 22 जुलाई (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा नये अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में आज वर्ष 1987 विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक लेकर देश को गौरवान्वित करने वाले पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझे किये। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मजबूत बनने और खेलों को करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थी कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया जा रहा है।

इससे पूर्व, आज सुबह के सत्र को दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता बिजेन्द्र बंसल ने संबोधित किया तथा विद्यार्थियों से शिक्षा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाये का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही ऐसा माध्यम है, जिससे आप अपना भविष्य संवार सकते हो और अपने परिजनों को गौरवान्वित कर सकते हो। इसलिए, अवसरों का लाभ उठाओ और अपना भविष्य उज्ज्वल बनाओ।

कार्यक्रम को मनोचिकित्सक नौमिता ऋषि ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवन जीने के उपयोगी टिप्स दिये और बताया कि वे किस तरह खुद को तनाव से दूर रख सकते है। दोपहर बाद के सत्र में डॉ. सोनिया बंसल ने विद्यार्थियों को भारत सरकार के जल शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी तथा विश्वविद्यालय स्तर पर जल संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इसके उपरांत, डॉ. नील कंवर ने संचार कौशल तथा डॉ. नीलम दूहन ने मूक्स पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की।

मजबूत आत्म शक्ति से ही मिलती है सफलता

चेतन शर्मा ने बताया कि शारजाह में वर्ष 1986 में आस्ट्रेलिया-एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी गेंदबाजी पर आखिरी गेंद में छक्का पड़ने से भारत को मिली हार ने उनकी जिंदगी बदल कर रख दी थी। वे मानसिक रूप से काफी कमजोर महसूस कर रहे थे और उनकी आत्म विश्वास बिल्कुल डगमगा गया था। इस मुश्किल समय में उनके कोच डीपी आजाद और कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें हौंसला दिया। इसके

क्रिकेटर चेतन शर्मा को विश्वविद्यालय की डायरी भेंट करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

बाद 1986 में उन्होंने टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड दौरे पर शानदार गेंदबाजी की और 21 विकेट हासिल की और न्यजीलैंड के खिलाफ 1987 विश्वकप में हैट्रिक ली। चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि आप खुद पर यकीन रखते है और अपने गुरूजनों का सम्मान करते है तो आप कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकते हो।

कभी रणजी खेलने पर मिलते थे 210 रुपए

चेतन शर्मा ने बताया कि उनके दौर में एक क्रिकेटर को मैच फीस के रूप में रणजी ट्राफी के लिए प्रति मैच 210 रुपये मिलते थे और वह पूरा सीजन खेलने पर तीन हजार रुपये तक कमाता था जबकि अंतराष्ट्रीय मैच खेलने पर 1500 रुपये मिलते थे। आज रणजी ट्राफी खेलने वाला क्रिकेटर ही 35 हजार रुपये प्रति मैच कमा लेता है और अंतर्राष्ट्रीय एकदिवसीय मैच के लिए ड़ेढ़ लाख रुपये और टेस्ट मैच के 17 लाख रुपये तक मिल जाते है। इस तरह आज के दौर में ऋषभ पंत जैसा युवा क्रिकेटर भी घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय मैचों व आईपीएल से लगभग 17 से 22 करोड़ रुपये आसानी से कमा लेता है। उन्होंने कहा कि यदि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, धोनी और सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों की पूरी आमदनी मिला ली जाये, तो यह किसी देश की सकल घरेलू आय (जीडीपी) के बराबर होगी। इसलिए, युवाओं के लिए आज खेल करियर का अच्छा विकल्प है।

हरियाणा की खेल नीति बेहतरीन

हरियाणा सरकार की खेल नीति की सराहना करते हुए चेतन शर्मा ने प्रदेश की खेल नीति के अंतर्गत ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए छह करोड़ रुपये, रजत पदक के लिए चार करोड़ रुपये तथा 2.5 करोड़ रुपये दिये जा रहे है जोकि देश में सर्वाधिक है। उन्होंने खलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों की सराहना की।

क्रिकेट के कारण नहीं जा सके कॉलेज

चेतन शर्मा ने कहा कि क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें कभी कालेज जाने का मौका नहीं मिला। उन्होंने बताया कि जब वर्ष 1983 में 17 साल की उम्र में क्रिकेट में पर्दापण किया तो वे 11वीं कक्षा में थे। लगातार क्रिकेट खेलने के कारण कभी कालेज नहीं जा सके लेकिन डीएवी अंबाला से जैसे-तैसे ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। लेकिन जब वे आज की युवा पीढ़ी को देखते है तो उन्हें अच्छा लगता है कि बच्चे पढ़ाई को कितनी गंभीरता से ले रहे है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि खेलों को अपना भविष्य बनाये लेकिन साथ-साथ अच्छी पढ़ाई भी जरूरी करें ताकि अगर खेल में करियर न बने तो आपके पास करियर का कोई और विकल्प मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

PUNJAB KESARI.COM

क्रिकेटर चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों से सांझा किए जीवन के अनुभव

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, द्वारा नये अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में आज वर्ष 1987 विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक लेकर देश को गौरवान्वित करने वाले पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव सांझे किये। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मजबूत बनने और खेलों को करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थी कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ.सोनिया बंसल की देखरेख में किया जा रहा है। कार्यक्रम को मनोचिकित्सक नौमिता ऋषि ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवन जीने के उपयोगी टिप्स दिये और बताया कि वे किस तरह खुद को तनाव से दूर रख सकते है। दोपहर बाद के सत्र में डॉ. सोनिया बंसल ने विद्यार्थियों को भारत सरकार के जल शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी तथा विश्वविद्यालय स्तर पर जल संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इसके उपरांत डॉ. नील कंवर ने संचार कौशल तथा डॉ.नीलम दूहन ने मूक्स पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की।

विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों व विद्यार्थियों के साथ क्रिकेटर चेतन शर्मा ।(छाया :राकेश देव)

हरियाणा की खेल नीति बेहतरीन, खेलों को मिल रहा प्रोत्साहन

हरियाणा सरकार की खेल नीति की सराहना करते हुए चेतन शर्मा ने प्रदेश की खेल नीति के अंतर्गत ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए छह करोड़ रुपये, रजत पदक के लिए चार करोड़ रुपये तथा 2.5 करोड़ रुपये दिये जा रहे है जोकि देश में सर्वाधिक है। उन्होंने खलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों की सराहना की।

मजबूत आत्म शक्ति से ही मिलती है सफलता

चेतन शर्मा ने बताया कि शारजहां में वर्ष 1986 में आस्ट्रेलिया.एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी गेंदबाजी पर आखिरी गेंद में छक्का पड़ने से भारत को मिली हार ने उनकी जिंदगी बदल कर रख दी थी। वे मानसिक रूप से काफी कमजोर महसूस कर रहे थे और उनकी आत्म विश्वास बिल्कुल डगमगा गया था। इस मुश्किल समय में उनके कोच डीपी आजाद और कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें हौंसला दिया। इसके बाद 1986 में उन्होंने टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड दौरे पर शानदार गेंदबाजी की और २१ विकेट हासिल की और न्यजीलैंड के खिलाफ 1987 विश्वकप में हैट्रिक ली। चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि आप खुद पर यकीन रखते है और अपने गुरूजनों का सम्मान करते है तो आप कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकते हो।

कभी रणजी ट्राफी खेलने पर मिलते थे 210 रुपये, अब करोड़ों कमाते हैं क्रिकेटर

चेतन शर्मा ने बताया कि उनके दौर में एक क्रिकेटर को मैच फीस के रूप में रणजी ट्राफी के लिए प्रति मैच २१० रुपये मिलते थे और वह पूरा सीजन खेलने पर तीन हजार रुपये तक कमाता था जबकि अंतराष्ट्रीय मैच खेलने पर १५०० रुपये मिलते थे। आज रणजी ट्राफी खेलने वाला क्रिकेटर ही ३५ हजार रुपये प्रति मैच कमा लेता है और अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय मैच के लिए डेढ़ लाख रुपये और टेस्ट मैच के १७ लाख रुपये तक मिल जाते है। इस तरह आज के दौर में ऋषभ पंत जैसा युवा क्रिकेटर भी घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय मैचों व आईपीएल से लगभग १७ से २२ करोड़ रुपये आसानी से कमा लेता है।

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

PIONEER

खुद पर यकीन रखो और कोई भी लक्ष्य हासिल कर लो : चेतन शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बताया कि शारजाह में वर्ष 1986 में आस्ट्रेलिया-एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी गेंदबाजी पर आखिरी गेंद में छक्का पड़ने से भारत को मिली हार ने उनकी जिंदगी बदल कर रख दी थी। वे मानसिक रूप से काफी कमजोर महसूस कर रहे थे और उनकी आत्म विश्वास बिल्कुल डगमगा गया था। इस मुश्किल समय में उनके कोच डीपी आजाद और कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें हौसला दिया। इसके बाद 1986 में उन्होंने टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड दौरे पर शानदार गेंदबाजी की और 21 विकेट हासिल की और न्यजीलैंड के खिलाफ 1987 विश्वकप में हैट्रिक ली।

चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि आप खुद पर यकीन रखते हैं और अपने गुरूजनों का सम्मान करते है, तो आप कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकते हो। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए द्वारा नये अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में वर्ष 1987 विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक लेकर देश को गौरवान्वित करने वाले पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझे किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल ने किया।

मजबूत आत्मशक्ति से मिलती है सफलता

हरियाणा की खेल नीति बेहतरीन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों की सराहना करते हुए चेतन शर्मा ने कहा कि हरियाणा की खेल नीति के अंतर्गत ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए छह करोड़ रुपये, रजत पदक के लिए चार करोड़ रुपये तथा 2.5 करोड़ रुपये दिये जा रहे हैं, जो देश में सर्वाधिक है।

तनाव-मुक्ति के टिप्स दिए

मनोचिकित्सक नौमिता ऋषि ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवन जीने के उपयोगी टिप्स दिए बताया कि वे किस तरह खुद को तनाव से दूर रख सकते हैं। दोपहर बाद के सत्र में डॉ. सोनिया बंसल ने छात्रों को भारत सरकार के जल शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी व विवि स्तर पर जल संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

कभी रणजी ट्राफी खेलने पर मिलते थे 210 रुपये : चेतन शर्मा ने बताया कि उनके दौर में एक क्रिकेटर को मैच फीस के रूप में रणजी ट्राफी के लिए प्रति मैच 210 रुपये मिलते थे और वह पूरा सीजन खेलने पर तीन हजार रुपये तक कमाता था, जबकि अंतराष्ट्रीय मैच खेलने पर 1500 रुपये मिलते थे। आज रणजी ट्राफी खेलने वाला क्रिकेटर ही 35 हजार रुपये प्रति मैच कमा लेता है और अंतर्राष्ट्रीय एकदिवसीय मैच के लिए डेढ़ लाख रुपये और टेस्ट मैच के 17 लाख रुपये तक मिल जाते हैं। इस तरह आज के दौर में ऋषभ पंत जैसा युवा क्रिकेटर भी घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय मैचों व आईपीएल से लगभग 17 से 22 करोड़ रुपये आसानी से कमा लेता है। इसलिए, युवाओं के लिए आज खेल करियर का अच्छा विकल्प है।

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

NAVBHARAT TIME

हुई प्रतियोगिता

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में जल शक्ति अभियान के तहत कॉलेज कैंपस-डे मनाया गया। इस दौरान छात्रों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करने के लिए पोस्टर मेकिंग व स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि देश में गिरते जल स्तर के कारण गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं। समस्या का समाधान जल संरक्षण है। जल संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रतियोगिता का संचालन एमएससी पर्यावरण विभाग की सहायक प्रफेसर डॉ. रेनुका गुप्ता ने किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में रुकसार सैफी ने पहला, ऐश्वर्या महाजन ने दूसरा व मंजू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

NEWS CLIPPING: 23.07.2019

AMAR UJALA

छात्रों ने दिया जल संरक्षण का संदेश

फरीदाबाद। जल शक्ति अभियान से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय में 'कालेज कैंपस डे' का आयोजन किया गया। जल संरक्षण के उद्देश्य से पोस्टर पेंटिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता कराई गई।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने देश में गिरते जल स्तर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पानी का संरक्षण जल संकट का एकमात्र रास्ता है। भावी पीढ़ी को जीवनदान देने के लिए जल उपहार के समान है। कुलपति ने कहा कि जल संरक्षण एक ऐसा विषय है, जिसके लिए सभी की एकजुट भागीदारी जरूरी है। पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष दीक्षित की देखरेख में आयोजित पोस्टर पेंटिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में एमएससी, एमबीए, बीटेक सहित कई संकाय के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रतियोगिता का संचालन एमएससी पर्यावरण विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रेनूका गुप्ता ने किया। **ब्यूरो**